



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 26, 2004/फाल्गुन 7, 1925

No. 51]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 26, 2004/PHALGUNA 7, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2004

अन्तिम जांच परिणाम

विषय : पोलैंड, कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, रूस, ईरान, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ से ओक्सो अल्कोहल के आयात पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा के मामले में पाटनरोधी जांच।

सं० 40/1/2001-डी जी ए डी- वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनपर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:-

(क) प्रक्रिया

2. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने पोलैंड, कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यू एस ए और यूरोपीय संघ (जिन्हें आगे सम्बद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित ओक्सो अल्कोहल के कुछ प्रकारों के आयात पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की नियमानुसार समीक्षा शुरू की थी। पूर्ववर्ती जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध देशों से ओक्सो अल्कोहल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए 17 जुलाई, 2000 की अधिसूचना सं० 15/1/99/डी जी ए डी के तहत अन्तिम जांच परिणाम अधिसूचित किये गये थे। लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा 27 अगस्त, 2002 की अधिसूचना सं० 40/1/2001-डी जी ए डी के तहत शुरू की गयी थी।
- ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच शुरूआत सम्बन्धी अधिसूचना की प्रति सम्बद्ध देशों के दूतावासों, भारत में यूरोपीय आयोग के शिष्टमंडल, मूल पाटनरोधी जांच के परिणामों में उपलब्ध सूची के अनुसार निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी थी और उनसे अनुरोध किया

था कि वे यह समीक्षा जांच शुरू होने के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराये ।

iii.

प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी;

1. एल जी केमिकल्स लिमिटेड सियोल, कोरिया गणराज्य
2. मै0 झाक पोलैंड
3. अरक पेट्रोकेमिकल कम्पनी, तेहरान, ईरान
4. अल-जुबेल फर्टिलाइजर्स कम्पनी, सऊदी अरब
5. सऊदी बेसिक इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन
6. पीटी0 पेट्रोविदादा इंडोनेशिया
7. ह्यूल्स एक्टिन्जेसेल्सशाफ्ट, जर्मनी
8. बी ए एस एफ ए.जी, जर्मनी
9. हेम ऐग, जर्मनी
10. केमिशे वर्क ह्यूल्स, जर्मनी
11. ईस्टमैन केमिकल कम्पनी, यू एस ए
12. आई सी सी केमिकल कार्पोरेशन
13. विन्मार इन्टरनेशनल लिमिटेड, यू एस ए
14. यूनियन कारबाइड कार्पोरेशन
15. आरटिस्टेक केमिकल कार्पोरेशन
16. नेस्टे केमिकल्स, स्वीडन
17. ओक्सेनो ओलेफिनकेमी जी एम बी एच, जर्मनी संघीय गणराज्य
18. मै0 ईरान पेट्रोकेमिकल्स कामर्शियल कम्पनी, तेहरान, ईरान

- (iv) प्राधिकारी ने नियम 6(4) और (5) के अनुसार भारत में निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा मूल जांच में उपलब्ध कराये गये थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

1. के एल जे प्लास्टिसाइजर्स, नई दिल्ली-110015
 2. पी सी एल आयल सालवेन्ट्स लिमिटेड, नई दिल्ली-110001
 3. इंडो निप्पोन केमिकल कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई-400020
 4. विजन आर्गनिक्स प्रा० लिमिटेड, बड़ौदा-390007
 5. लुब्रीजोल इंडिया प्रा० लि०, मुम्बई-400025
 6. एच एम जी इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, मुम्बई-400059
 7. ए पी आई इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, दिल्ली-110035
 8. सी जे शाह एंड कम्पनी, मुम्बई-400021
 9. हर्ष कुमार एंड कम्पनी, मुम्बई-400021
 10. विकास आर्गनिक्स प्रा० लिमिटेड, नई दिल्ली-110026
 11. कोठारी पोलिमर्स लिमिटेड, नई दिल्ली-110002
 12. पायल पोलीमर्स, नई दिल्ली-110002
 13. टेक्सपो ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई-400001
 14. गुलजॉय इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जोधपुर, राजस्थान
 15. एन. के. पोलिमर्स एंड एडीटिव्स मैन्यूफैक्चरिंग कं०, दमन
 16. सिलवासा प्लास्ट, नई दिल्ली-110015
 17. के. एल. जे. पोलिमर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली-110015
 18. रचना प्लास्टिसाइजर्स, मुम्बई-400052
- (v) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार भारत स्थित जर्मनी संघीय गणराज्य और फिनलैंड के दूतावासों, यूरोपीय संघ, भारत में यूरोपीय आयोग के शिष्टमण्डल को जांच शुरूआत सम्बन्धी अधिसूचना भेजी और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गये पत्र और प्रश्नावली की प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ सम्बन्धित दूतावासों को भी भेजी गयी थी।
- (vi) डी जी सी आई एंड एस से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।
- (vii) जांच शुरूआत सम्बन्धी अधिसूचना की प्रतियाँ व्यापक परिचालन हेतु फिक्की, सी आई आई, एसोचेम आदि को भी भेजी गयी थीं।

- (viii) प्राधिकारी ने 3.7.2003 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किये गये अपने विचारों का लिखित निवेदन दायर करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों को सलाह दी गयी थी कि वे विरोधकर्ता पार्टियों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों की प्रतियां प्राप्त कर लें और खण्डन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करें।
- (ix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किये गये समस्त साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली फाइल सभी हितबद्ध पार्टियों को अनुरोध करने पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई।
- (x) हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिये गये तर्कों पर इन जांच परिणामों में उचित कार्रवाई की गयी है।
- (xi) घरेलू उद्योग से क्षति सम्बन्धी सूचना जिसे प्राधिकारी को प्रस्तुत किया गया था, देने के लिए कहा गया था।
- (xii) प्राधिकारी ने सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग की सूचना और भारत में उत्पादन की ईष्टतम लागत निकालने और सम्बद्ध माल के निर्माण एवं बिक्री की लागत निकालने की जांच की।
- (xiii) प्राधिकारी ने कुछ आयातकों की सूचना का सत्यापन किया और जांच से सम्बन्धित विचार मांगे।
- (xiv) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन जांच निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार को 10 फरवरी, 2004 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किया गया और इस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है।
- (xv) वर्तमान समीक्षा के लिए जाँच अवधि 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक है।
- (xvi) इस अधिसूचना में आया *** चिह्न गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा ऐसा ही माना गया है।

ख. घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों एवं हितबद्ध पक्षकारों के विचार और प्राधिकारी द्वारा जांच

3. अधिसूचना शुरुआत, तत्पश्चात् मौखिक सुनवाई और प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों पर इसके पश्चात् नीचे के संगत पैराग्राफों में जिस सीमा तक ये नियमानुसार संगत और इस मामले पर प्रभाव रखते हैं, विचार-विमर्श किया गया है। हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाये गये विवादों की जांच की गयी है, विचार किया गया है और जहां आवश्यक हो वहां इसमें नीचे के संगत पैराग्राफों में उचित कार्रवाई की गयी है :

निर्यातक :

- i. मै0 एस ए.बी आई सी, सऊदी अरब
- ii. मै0 ईरान पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल
- iii. मै0 ओक्सेनो ओलेफिनकेमी जी एम बी एच, जर्मनी

आयातक :

- i. मै0 के0 एल0 जे0 प्लास्टिसाइजर्स
- ii. मै0 के0 एल0 जे0 पॉलिमर्स एंड केमिकल्स लि0
- iii. मै0 सिल्वासा प्लास्ट
- iv. मै0 विकास ऑर्गेनिक्स (प्रा0) लि0
- v. मै0 इंडो-निप्पन केमिकल्स कं0 लि0
- vi. मै0 ए पी आई इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन
- vii. मै0 एन के पॉलिमर्स एंड एडिटिव्स मैन्यू0 कं0
- viii. मै0 पी सी एल ऑयल एंड सॉल्वेंट्स
- ix. मै0 रचना प्लास्टिसाइजर्स
- x. मै0 पायल पॉलिमर्स
- xi. मै0 लूब्रिजोल इंडिया प्रा0 लि0
- xii. इंडिया प्लास्टिसाइजर्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई पी एम ए) ।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान उत्पाद

4. 27 अगस्त 2002 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद का वर्णन उसी ढंग से किया गया है जैसा कि मूल जांच में किया गया है अर्थात् " निम्नलिखित एसाइक्लिक एल्कोहल और उनकी हेलोजेनेटेड, सल्फोनेटेड, नाइट्रेटेड अथवा नाइट्रोसेटेड व्युत्पत्तियाँ जिन्हें वाणिज्यिक और तकनीकी भाषा में ऑक्सो अल्कोहल के नाम से जाना जाता है और जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 2905 के अंतर्गत वर्गीकृत है: -

- i. 2- इथाईल हेक्सानॉल (2-ई एच ए के नाम से भी ज्ञात)
- ii. नॉर्मल ब्यूटानॉल (एन बी ए के नाम से भी ज्ञात)
- iii. आइसो ब्यूटानॉल (आई बी ए के नाम से भी ज्ञात)
- iv. आइसो ऑक्टानॉल
- v. आइसो डेकानॉल
- vi. नॉर्मल हेक्सानॉल
- vii. हेप्टानॉल (आइसो हेप्टानॉल तथा नॉर्मल हेप्टानॉल)
- viii. ट्राई डेकानॉल
- ix. 2 प्रोपाइल हेप्टानॉल

विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के संबंध में अभ्यावेदन प्राप्त किए गए थे। यह इंगित किया गया था कि यद्यपि मूल जाँच ऑक्सो-अल्कोहल के 10 प्रकारों के संबंध में प्रारंभ की गई थी, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 3.12.99 के प्रारंभिक जांच परिणाम तथा 17.7.2000 के अंतिम जांच परिणाम के अनुसार जांच के नॉर्मल ब्यूटानॉल, आइसो ब्यूटानॉल, आइसो डेकानॉल, आइसो ऑक्टानॉल, 2-इथाइल हेक्सानॉल तथा नॉर्मल हेक्सानॉल तक सीमित कर दिया था। आगे, माननीय सीगेट के दिनांक 11.4.2001 के आदेशों के अनुसार, नॉर्मल हेक्सानॉल को पाटनरोधी शुल्क के अधीन आने वाले ऑक्सो अल्कोहलों की सूची से हटा दिया गया था। तथापि, इस जांच के संबंध में केवल निम्नलिखित पाँच प्रकार के ऑक्सो अल्कोहल पाटनरोधी शुल्क के अधीन थे :-

- i. नॉर्मल ब्यूटानॉल
- ii. आइसो ब्यूटानॉल
- iii. आइसो डेकानॉल
- iv. आइसो ऑक्टानॉल
- v. 2-इथाइल हेक्सानॉल

उपर्युक्त नियमावली के नियम 23 के प्रावधानों के अनुसार तथा निर्यातकों एवं आयातकों द्वारा दिए गए तर्कों पर विचार करने के बाद, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व में उल्लिखित पाँच प्रकार के ऑक्सो अल्कोहलों के संबंध में मध्यावधि-समीक्षा के लिए विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को सीमित करना उचित समझा है, तथा इसके संबंध में दिनांक 11 दिसम्बर, 2002 को एक शुद्धिपत्र जारी किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने गलती से ऑक्सो-अल्कोहलों के कुछ प्रकारों को शामिल नहीं किया है, जो पूर्व में हुई जांच में शामिल थे। घरेलू उद्योग के

अनुसार, समीक्षा के दायरे में उन ऑक्सो अल्कोहलों को भी शामिल किया जाना चाहिए जो पूर्व में की गई जांच में शामिल नहीं किए गए थे ।

इंडियन प्लास्टिसाइजर्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई पी एम ए), मै0 लूब्रिजोल इंडिया प्रा0 लि0(आयातक), मै0 सऊदी अरेबियन बेसिक इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन (एस ए बी आई सी), सऊदी अरब तथा मै0 डिगूसा ए जी, जर्मनी की ओर से यह तर्क दिया गया है कि नियम 23 के संदर्भ में, यह समीक्षा पाटनरोधी शुल्क के लगातार लगाए जाने की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए की गई है । " लगातार " अधिरोपण शब्द से सर्वप्रथम किसी शुल्क की मौजूदगी का आभास होता है इसलिए वे ऑक्सो अल्कोहन जो पाटनरोधी शुल्क के अधीन नहीं आते हैं, समीक्षा की विषय वस्तु के अधीन नहीं होंगे । समीक्षा का कार्यक्षेत्र निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए शुद्धिपत्र द्वारा अधिदेशित किए अनुसार होगा । उत्पाद के कार्यक्षेत्र को बढ़ाया नहीं जा सकता जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा तर्क दिया गया था ।

प्राधिकारी ने इस संबंध में दिए गए तर्कों की जांच की है तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि नियम 23 के अनुसार, वर्तमान समीक्षा, दिनांक 11 दिसम्बर, 2002 के शुद्धिपत्र के अनुसार पांच प्रकार के ऑक्सो अल्कोहलों तक सीमित होनी चाहिए । तदनुसार, प्राधिकारी ने इस समीक्षा के लिए विचाराधीन उत्पाद पर निम्नानुसार विचार किया है :

निम्नलिखित एसाइक्लिक एल्कोहल और उनकी हेलोजेनेटेड, सल्फोनेटेड, नाइट्रेटेड अथवा नाइट्रोसेटेड व्युत्पत्तियाँ जिन्हें वाणिज्यिक और तकनीकी भाषा में ऑक्सो अल्कोहल के नाम से जाना जाता है और जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 2905 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं :-

- i. नार्मल ब्यूटानॉल
- ii. आइसो ब्यूटानॉल
- iii. आइसो डेकानॉल
- iv. आइसो ऑक्टानॉल
- v. 2-इथाइल हेक्सानॉल "

5. समान वस्तु :

मै0 आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि0 2 ई एच ए, एन बी ए तथा आई बी ए का उत्पादन करता है । समान उत्पाद के संबंध में प्राधिकारी के समक्ष कोई उल्लेखनीय तर्क नहीं लाए गए थे । सिंगापुर, ब्राजील, रोमानिया, मलेशिया तथा दक्षिण अफ्रीका से एसाइक्लिक अल्कोहलों के कुछ प्रकारों के आयातों संबंधी एक अन्य जांच में, प्राधिकारी ने दिनांक 29 जुलाई, 2003 की अधिसूचना सं0- 63/1/2001-डी जी ए डी में अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे ।

सूचना/साक्ष्य पर आधारित इस जांच में प्राधिकारी ने घरेलू तौर पर उत्पादित ऑक्सो अल्कोहलों जैसे 2 ई एच ए, आई बी ए तथा एन बी ए के समान वस्तु के रूप में अन्य वस्तुओं के साथ-साथ नॉर्मल ब्यूटानॉल (एन बी ए), 2 इथाइल हेक्सानॉल (2 ई एच ए), आइसो ब्यूटानॉल (आई बी ए), ऑक्टानॉल तथा आइसो ऑक्टानॉल को लिया है। घरेलू उद्योग, आयातकों तथा उपयोक्ता उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, संबद्ध देशों से आयातित नॉर्मल ब्यूटानॉल (एन बी ए), 2 इथाइल हेक्सानॉल (2 ई एच ए), आइसो ब्यूटानॉल (आई बी ए), तथा आइसो ऑक्टानॉल, घरेलू तौर पर उत्पादित ऑक्सो अल्कोहलों के समान उत्पाद हैं।

घ. घरेलू उद्योग :

6. ऑक्सो अल्कोहल्स इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने पिछली जांचों में घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै0 इंदू निसान ऑक्सो केमिकल्स इंडस्ट्रीज लि0 मुंबई; नेशनल ऑर्गेनिक केमिकल्स इंडस्ट्रीज लि0 मुंबई(एन ओ सी आई एल) तथा आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि0 हैदराबाद (ए पी एल) का प्रतिनिधित्व किया था। यह सूचना दी गई है कि मै0 इंदू निसान ऑक्सो केमिकल इंडस्ट्रीज लि0 मुंबई तथा मै0 एन ओ सी आई एल मुंबई ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन बंद कर दिया है। इन दोनों में से किसी भी एकक ने उत्पादन प्रारंभ नहीं किया है। तथापि, मै0 आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि0, हैदराबाद ने ऑक्सो अल्कोहलों का उत्पादन करना तथा घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करना जारी रखा है। इसलिए प्राधिकारी के अनुसार मै0 आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि0 घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करती है।

ड. अन्य मुद्दे :

7. वर्तमान समीक्षा शुरू करने की आवश्यकता- घरेलू उद्योग की ओर से यह तर्क दिया गया है कि निर्यातकों/आयातकों/उपभोक्ताओं के पास यह समीक्षा शुरू करने के समुचित आधार नहीं हैं। इस समीक्षा का प्रारंभ केवल कुछ आयातकों अथवा निर्यातकों द्वारा दिए गए एक अभ्यावेदन के आधार पर किया गया है। हितबद्ध पार्टियों ने समीक्षा की आवश्यकता को बल देने के लिए कोई सकारात्मक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। इंदू-निसान ने मूल जांच के प्रारंभ से पूर्व ही अपना उत्पादन बंद कर दिया है। यदि यह तर्क दिया जाता है कि एन ओ सी आई एल ने उत्पादन बंद कर दिया है और इसलिए जांच शुरू की गई, तो भी समीक्षा का प्रारंभ करने के लिए यह आधार अपर्याप्त होगा।

इंडियन प्लास्टिसाइजर्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई पी एम ए), मै0 लूब्रिजॉल इंडिया प्रा0 लि0 (आयातक), मै0 सऊदी अरेबियन बेसिक इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन (एस ए बी आई सी), सऊदी अरब एंड मै0 डिगूसा ए जी, जर्मनी, की ओर से यह तर्क दिया गया है कि नियम 23 के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी समय-समय पर, पाटनरोधी शुल्क के लगातार लगाए जाने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे। नियम के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की सिफारिश करेंगे, यदि वे प्राप्त सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि उक्त शुल्क के लगातार अधिरोपण का कोई औचित्य नहीं है। मूल जांच में, ऑक्सो

अल्कोहलों के तीन उत्पादक थे जो जांच की विषय वस्तु के अधीन थे। तीनों उत्पादकों में से एक मै0 इंदू-निसान ने लगभग तीन वर्ष से उत्पादन बंद कर दिया है। इंदू-निसान, आइसो ऑक्टानॉल तथा आइसो डेकानॉल का एकमात्र उत्पादक है जो मूल जांच में पाटनरोधी शुल्क के अधीन थे। अन्य दो उत्पादक मै0 ए पी एल तथा मै0 एन ओ सी आई एल इन अल्कोहलों का उत्पादन नहीं करते हैं। इस बदली हुई परिस्थिति में उन्होंने वर्तमान पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने का आग्रह किया था। चूंकि भारत में आइसो ऑक्टानॉल तथा आइसो डेकानॉल का कोई उत्पादक नहीं है, इसलिए इन दोनों अल्कोहलों पर लगाए गई पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने एवं उसे हटाए जाने की आवश्यकता है। आगे यह भी तर्क दिया गया था कि यद्यपि नियम 23 के तहत समीक्षा की आवश्यकता को प्रदर्शित करना अपेक्षित नहीं है, फिर भी, यह प्रदर्शित होता है कि बदली हुई परिस्थिति के मद्देनजर समीक्षा की आवश्यकता है। यह नोट करना भी सुसंगत है कि एन ओ सी आई एल ने भी ऑक्सो-अल्कोहलों का उत्पादन बंद कर दिया है।

प्राधिकारी ने इन तर्कों का परीक्षण किया है तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि इंदू-निसान तथा एन ओ सी आई एल का बंद किया जाना, समीक्षा शुरू करने के लिए पर्याप्त कारण है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि इस मामले में पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के पश्चात ढाई वर्ष से अधिक बीत चुके हैं। इसके अतिरिक्त ईरान के निर्यातक ने भी दिनांक 27 जनवरी, 2002 के अपने पत्र में समीक्षा करने का निवेदन किया है। इसलिए प्राधिकारी का विचार है कि वर्तमान समीक्षा का प्रारंभ नियम 23 की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

8. आइसो-ऑक्टानॉल और आइसो डेकानॉल- आई पी एम ए, मै0 लुब्रिजॉल तथा इंडियन केमिकल मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई सी एम ए) द्वारा प्रस्तुत तर्कों के अनुसार मै0 इंदू-निसान आइसो ऑक्टानॉल तथा आइसो डेकानॉल के एकमात्र उत्पादक थे जिन्होंने दिनांक 30 जून, 2003 के अपने पत्र के बावजूद उत्पादन को पुनः प्रारंभ नहीं किया है। तथ्यतः उन्होंने वाणिज्यिक उत्पादन का प्रारंभ नहीं किया है। समीक्षा की अवधि के दौरान आइसो ऑक्टानॉल तथा आइसो डेकानॉल का कोई उत्पादन नहीं किया गया। इसलिए, इन दोनों ऑक्सो अल्कोहलों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि आइसो ऑक्टानॉल तथा आइसो ब्यूटानॉल के एकमात्र उत्पादक ने मूल जांच के समय ही उत्पादन बंद कर दिया था, इसलिए परिस्थिति में ऐसा बदलाव नहीं आया है जिसके कारण निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने पूर्ववर्ती निर्णय को बदलने की आवश्यकता हो। यद्यपि घरेलू उद्योग ने इस प्रकार के अल्कोहल का उत्पादन बहुत पहले से बंद कर दिया था, तथापि इस उत्पाद के कोई महत्वपूर्ण आयात नहीं किए गए हैं। यदि, आइसो डेकानॉल तथा आइसो ऑक्टानॉल का कोई समान उत्पाद नहीं है तथा यदि वस्तुओं की आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा नहीं की जा रही है, तो इसका अर्थ है कि उपयोक्ता इसका आयात कर रहे हैं, तो इसका अर्थ है कि उपभोक्ता इसका आयात कर रहे हैं। ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह ज्ञात हो सके कि आयात इस सीमा तक हुए हैं। स्पष्टतः उपयोक्ता अब अन्य प्रकार के अल्कोहलों से अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं।

मैसर्स लुब्रिजोल द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, उन्होंने जांच अवधि के दौरान आइसो डेकानोल और आइसो ओक्टेनोल के आयातों का साक्ष्य दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह इसका उपयोग विनिर्माण, अभिवृद्धि एवं लुब्रिकेन्ट के लिए कर रहे हैं। अभिवृद्धि/लुब्रिकेन्ट उद्योग अत्यधिक विनिर्देशन जागरूक है और वे आइसो ओक्टेनोल के स्थान पर 2 ई एच ए का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। सिंगापुर, ब्राजील, रोमानिया, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका के एक्रिलिक अल्कोहल से संबंधित दूसरी पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने आइसोओक्टेनोल को स्वदेश में उत्पादित ओक्सो अल्कोहल के समान वस्तु माना है। अतः प्राधिकारी आइसो ओक्टेनोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

प्राधिकारी को मालूम हुआ है कि मैसर्स इन्दु निसान जो आइसो ओक्टेनोल और आइसोडेकानोल का उत्पादन किया करता था, ने पुनः उत्पादन शुरू नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, आइसो डेकानोल को प्राधिकारी द्वारा घरेलू उत्पाद के समान वस्तु मानने के पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। अतः प्राधिकारी आइसो डेकानोल पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने का प्रस्ताव नहीं करते हैं।

(च) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन से संबंधित मुद्दों की जांच

9. प्राधिकारी ने अधिनियम की धारा 9 क(1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी। केवल निम्नलिखित निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए थे :-

- i. मैसर्स साबिक, सऊदी अरेबिया
- ii. मैसर्स-ईरान पेट्रोकेमिकल कामर्सियल कम्पनी, ईरान,
- iii. मैसर्स-ओक्सोनो अलिफिन्वेली जी एम बी एच, जर्मनी

10. मैसर्स साबिक, सऊदी अरेबिया :

मैसर्स साबिक ने भारत को किए गए 2 ई एच ए के अपने निर्यातों के बारे में सूचना दी है। उनके उत्तर के अनुसार, 2 ई एच ए की उनकी घरेलू बिक्री नहीं है। उन्होंने अन्य देशों को किए गए अपने निर्यातों के बारे में सूचना दी है। उनके उत्तर के अनुसार, वे पाकिस्तान, उत्तरी अमरीका, दक्षिण अफ्रीका समेत 20 पूर्व एशिया, जापान, भारतीय उप महाद्वीप को 2 ई एच ए का निर्यात करते हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उन्हें साबिक का अगोपनीय उत्तर प्रकटीकरण से ठीक पहले दिया गया था। इसके अलावा, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर अपर्याप्त है। यह प्रकट नहीं किया गया है कि पाकिस्तान को किया गया निर्यात किस प्रकार से तीसरे देश को किए गए निर्यातों से तुलनीय, प्रतिनिधात्मक है। तीसरे देश को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदेवार आंकड़े प्रदान नहीं किए गए हैं, इसलिए यह ज्ञात नहीं है कि क्या निर्यातक ने अपने निर्यातों का 20% से अधिक का निर्यात घाटे पर किया है। उत्पादन लागत के बारे में दी गयी सूचना अधूरी है। साबिक को दिए गए कमीशन के बारे में कोई कीमत समायोजन नहीं किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने बिना सत्यापन के उत्तर स्वीकार कर लिया है।

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विचारों और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर की जांच की है। निर्यातक ने जून, 2001 के दौरान भारत को केवल दो खेपों का निर्यात किया है। इस अवधि के दौरान

उन्होंने पाकिस्तान को भी 2 ई एच ए का निर्यात किया था। इस अवधि के दौरान पाकिस्तान को किए गए निर्यातों की मात्रा अधिक थी। पाकिस्तान की भारत के साथ भौगोलिक निकटता को देखते हुए, पाकिस्तान को किए गए निर्यातों की पर्याप्त मात्रा और निर्यातों की एक ही अवधि ऐसे कारक हैं जिन्हें यह संकेत करने के लिए पर्याप्त माना जाता है कि अधिनियम की धारा 9 क(1) के अनुसार पाकिस्तान को की गयी निर्यात कीमत किसी उचित तीसरे देश को की गयी तुलनीय प्रतिनिधात्मक कीमत है। प्राधिकारी ने भी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारण करने के लिए पर्याप्त माना है। करार के अनुच्छेद 6.7 के अनुसार निर्यातक की सूचना का सत्यापन करना अनिवार्य अपेक्षा नहीं है। निर्यातक का अगोपनीय अंश घरेलू उद्योग को उपलब्ध कराया गया था और वे अपनी टिप्पणियाँ कर सकते थे। निर्यातक ने नियम 7(1) के अनुसार कतिपय सूचना को गोपनीय सूचना होने का दावा किया था।

अतः पाकिस्तान को किए गए निर्यातों को सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार माना जाता है। उत्पादन लागत से संबंधित सूचना के आधार पर ये बिक्रियाँ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में प्रतीत होती हैं। इस प्रकार सामान्य मूल्य ***** अमरीकी डालर/मी० टन निर्धारित किया जाता है। मैसर्स साबिक ने भारत को **** मी० टन 2 ई एच ए का निर्यात किया है। निर्यात कीमत का निर्धारण इन निर्यातों के भारित औसत के रूप में किया गया है। निर्यातक की सूचना के अनुसार, विपणन शुल्क, विदेशी भाड़ा, निकासी और प्रहस्तन के आधार पर समायोजन किए गए हैं। ऋण लागत के बारे में किए गए समायोजनों के बारे में निर्यातक द्वारा यह सूचित किया गया है कि एक निर्यात बिक्री में भुगतान की अवधि उतराई बिल से 90 दिवसों की थी। सी आई एफ निर्यात कीमत के अतिरिक्त ब्याज के लिए पृथक बीजक में वृद्धि की गयी थी। इस आशय के आवश्यक दस्तावेज निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इस स्पष्टीकरण को ध्यान में रखते हुए, कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर आती है।

11. मैसर्स ईरान पेट्रोकेमिकल कामर्शियल कम्पनी (आई पी सी सी), ईरान

आई पी सी सी, ईरान ने अपनी घरेलू बिक्रियों और सामान्य बुटानोल (एन बी ए), 2 ई एच ए और आइसो बुटानोल के निर्यातों के बारे में सूचना दी है। जांच अवधि के दौरान उन्होंने भारत को 2 ई एच ए और एन बी ए का निर्यात किया था। उपलब्ध सूचना के आधार पर, 2 ई एच ए और एन बी ए की घरेलू बिक्रियों को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में माना जाता है। भारित औसत बिक्री कीमत पर 2 ई एच ए का सामान्य मूल्य प्रस्तुत सूचना के अनुसार समायोजन करने के पश्चात् *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन आता है। प्रस्तुत सूचना के अनुसार, समायोजन करने के बाद भारित औसत बिक्री कीमत पर एन बी ए का सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनता है।

निर्यातक ने 2 ई एच ए और एन बी ए की निर्यात कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारित औसत निर्यात कीमत से समायोजन किया गया है ताकि 2 ई एच ए के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन और एन बी ए के लिए *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनता है।

12. मै0 आक्सेनो ओलिफिन्केमी जी एम बी एच, जर्मनी

मै0 आक्सेनो ओलिफिन्केमी जी एम बी एच जर्मनी ने आइसो नोनेनाल के निर्यात संबंधी अपनी सूचनाएं भारत को उपलब्ध करा दी हैं। चूंकि आइसो नोनेनाल को इस समीक्षा जांच के दायरे में नहीं लाया गया है, इसलिए इस सूचना को सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए उपयोगी नहीं माना गया है।

13. पोलैंड, कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया, रूस, अमेरिका तथा यूरोपीय संघ

जहां तक पोलैंड, कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया, रूस, अमेरिका तथा यूरोपीय संघ के निर्यातकों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन देशों से किसी भी निर्यातक ने समीक्षा जांच के अंतर्गत आने वाले उत्पादों के संबंध में सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराने में सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी ने निम्नलिखित आधारों पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है:

कच्चा माल	देश	सामान्य मूल्य का आधार
प्रोपीलीन	पोलैंड	जांच अवधि के लिए केमिकल वीकली पर आधारित -ई यू औसत कीमत
	रूस	उत्तर-पूर्व एशिया कीमत पर आधारित -आई सी आई एस एल ओ आर-जांच अवधि के लिए औसत
	अमेरिका	जांच अवधि के लिए अमेरिकी क्षेत्र हेतु आई सी आई एस एल ओ आर कीमतों पर आधारित
	यूरोपीय संघ	जांच अवधि के लिए केमिकल वीकली पर आधारित -ई यू औसत कीमत
नेप्था	पोलैंड	जांच अवधि के लिए केमिकल वीकली पर आधारित
	रूस	जांच अवधि के लिए केमिकल वीकली पर आधारित
	अमेरिका	जांच अवधि के लिए अमेरिकी क्षेत्र हेतु आई सी आई एस एल ओ आर कीमतों पर आधारित

	यूरोपीय संघ	जांच अवधि के लिए केमिकल वीकली पर आधारित
अन्य कच्चा माल	सभी देश	घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत पर आधारित-सीमाशुल्क, सी वी डी, एस ए डी के लिए समायोजित
अन्य परिवर्तन एवं नियत लागतें	सभी देश	घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत पर आधारित-इष्टतम क्षमता उपयोग के लिए समायोजित

निर्यातकों एवं आयातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि सामान्य मूल्य का परिकलन करने के बजाय, प्राधिकारी को संबद्ध अल्कोहलों के केमिकल वीकली तथा आई सी आई एस एल ओ आर में प्रकाशित मूल्यों पर विश्वास करना चाहिए। सामान्य मूल्य की गणना करते समय, प्राधिकारी भारतीय घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत पर विचार नहीं कर सकते। प्राधिकारी का यह विचार है कि धारा 9क(1)(ख) के अनुसार, सामान्य मूल्य की गणना, निर्यातक देश के घरेलू बाजार में तुलनीय कीमत अथवा किसी उचित तीसरे देश को निर्यात करते समय समान वस्तु की तुलनीय कीमत अथवा उद्गम के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत के आधार पर की जा सकती है। आई सी आई एस एल ओ आर अथवा केमिकल वीकली में ऑक्सो एल्कोहलों की प्रकाशित कीमतों का उपयोग, सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नहीं किया जा सकता। इन परिस्थितियों में, जहाँ इन देशों के निर्यातक ने सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए सूचना देकर सहयोग नहीं किया है, प्राधिकारी को अनुच्छेद 6-8 {नियम 6(8) के साथ पठित} के अनुसरण में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना पड़ा। इस प्रकार जहाँ तक संभव है, प्राधिकारी ने अलग-अलग देशों के लिए कच्चे माल की कीमत प्राप्त कर ली है और लागतों के अन्य तत्वों के संबंध में उसे उचित उपलब्ध सूचना पर भरोसा करना पड़ा है। रूस के सम्बन्ध में प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण उपर्युक्त पद्धति के अनुसार परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर किया है। निर्यात कीमत का निर्धारण आयातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर किया गया है।

जहाँ तक कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध एल्कोहलों का इन देशों से कोई निर्यात नहीं हुआ है। प्राधिकारी ने कुछ निर्यातकों के इन तर्कों पर विचार किया है कि कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया से कोई आयात नहीं हुआ है। निर्यातों के अभाव में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता और पाटन मार्जिन के निर्धारण के बिना कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता। आगे यह तर्क दिया जाता है कि मूल जांच के अनुसार पाटन मार्जिन स्वीकार करना नियम 23 के प्रावधान के खिलाफ है। प्राधिकारी ने इन तर्कों पर विचार किया है और उनकी राय है कि कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया से संबद्ध एल्कोहलों के निर्यातों के बारे में स्पष्ट सूचना के अभाव में इस समीक्षा की जांच अवधि के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण व्यवहार्य नहीं हो सकता है।

14. सऊदी अरब, पोलैंड, रूस, ईरान, यू एस ए और यू ए के संबंध में पाटन मार्जिन

प्राधिकारी ने पाटन नियमों के अनुबंध 1 में निर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों को अपनाने की सतत नीति का अनुसरण किया है। पाटन मार्जिन का निर्धारण नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 6 में निर्धारित सिद्धांत के अनुसरण में निर्यात कीमत की तुलना सामान्य मूल्य के साथ उचित तुलना के आधार पर की गयी है। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर अर्थात् कारखानागत स्तर पर की गई है। ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है:-

देश	2ई एच ए	एन बी ए	आई बी ए
सऊदी अरब	1.87		
ईरान	14.78	17.07	
पोलैंड		37.80	
यू एस ए		55.46	47.84
ई यू		31.02	14.91
रूस	103.29	107.38	

जहाँ भी आंकड़े भारत से एक विशेष संबद्ध देश से ऑक्सो एल्कोहल के एक विशेष रूप के आयातों को नहीं दर्शाते हैं, वहाँ विशेष संबद्ध देश से ऑक्सो एल्कोहल के उस विशेष रूप के लिए पाटन मार्जिन से संबंधित बॉक्स को खाली छोड़ दिया गया है।

छ. क्षति और क्षति का खतरा

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

क्षति का निर्धारण:

(1) निर्दिष्ट देशों से हुए आयातों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी आगे अपने निष्कर्ष दर्ज करेंगे कि भारत में होने वाले ऐसे आयातों से भारत में स्थापित किसी उद्योग को वास्तविक क्षति होती है अथवा क्षति का खतरा उत्पन्न होता है अथवा किसी उद्योग को स्थापित करने में बाधा आती है ।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति, घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के खतरे और घरेलू उद्योग की स्थापना में आने वाली वास्तविक बाधा और पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर इसके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इन नियमों के अनुबंध ॥ में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का मूल्यांकन करेंगे ।

16. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध ॥ में निर्धारित क्षति के निर्धारण के सिद्धांतों में यह निर्धारित किया गया है कि:-

(i) क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी ।

(ii) पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में काफी वृद्धि हुई है । नियम 19 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा काफी हद तक कीमतों में कमी लाना अथवा कीमत में उस वृद्धि को रोकना है जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती ।

17. घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले मै0 ए पी एल ने विभिन्न संकेतक/कारकों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है । कुछ देशों से ऑक्सो एल्कोहलों की कुछ किस्मों के आयात नहीं हुए हो सकते हैं । तथापि ऐसा पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने के कारण ही हो सकता है और इससे लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की पुष्टि होती है । घरेलू उद्योग की क्षति को पाटनरोधी शुल्कों और ऐसी सांविधिक अपेक्षाओं के संदर्भ में देखा जाना चाहिए जिनमें यह निर्धारण करने का उपबंध है कि क्या शुल्कों को रद्द करने की अवस्था में घरेलू उद्योग की क्षति जारी रहेगी अथवा उसकी पुनरावृत्ति होगी ।

18. निर्यातकों/आयातकों के विचार

इंडियन प्लास्टिसाइजर्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई पी एम ए), मै0 लुब्रिजोल इंडिया प्रा0 लि0 (आयातक), मै0 सऊदी अरेबियन बेसिक इंडस्ट्रीज कारपोरेशन (सेबिक), सऊदी अरब और मै0 देगुसा ए जी, जर्मनी की ओर से यह तर्क दिया गया है कि ए पी एल के पास अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का लाभ लेने

के लिए कच्चे माल के आयात के लिए जेटी नहीं है। इसके अलावा, संयंत्र की वार्षिक क्षमता 35000 मी.टन है जबकि अन्य देशों में स्थापित संयंत्रों की क्षमता 1,00,000 मी0 टन से कम नहीं है। इस प्रकार ए पी एल को बड़े पैमाने पर किफायती उत्पादन करने के लाभ से वंचित होना पड़ा है। इसके अतिरिक्त ए पी एल को स्थान संबंधी अलाभ भी मिलता है जिसमें उनके उत्पादों के उपभोक्ता अलग-अलग स्थानों पर अवस्थित हैं। परिणामतः ए पी एल को अधिक अन्तर्देशीय भाड़ा प्रभार देने होते हैं जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाती है। इसके अलावा यह तर्क दिया गया है कि ऑक्सो एल्कोहल उद्योग की समस्या का समाधान पाटनरोधी शुल्क लगाने में नहीं है बल्कि उनकी कुशलता को बढ़ाने में है ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकें जिसमें ए पी एल से भी छोटी कंपनियाँ समायोजित हो गई हैं। प्रकटन विवरण के उत्तर में यह तर्क दिया गया है कि कीमत कटौती न होने की स्थिति में कारणात्मक संबंध का अभाव है। जब कीमत कटौती अधिक नहीं हुई है तो यह नहीं कहा जा सकता कि आयातित वस्तु से घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई है। घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हो सकती। इस मामले में जब पर्याप्त कीमत कटौती नहीं हुई है तो कम कीमत पर बिक्री की जांच करने की जरूरत नहीं है। क्षति कम कीमत पर बिक्री के कारण नहीं हुई है। चूंकि प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि कीमत कटौती अत्यधिक नहीं हुई है इसलिए आयातों से कोई क्षति नहीं हो सकती है और इस प्रकार कम कीमत पर बिक्री के बावजूद कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

19. आयातों की मात्रा

डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सौदे-वार आयातों के आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के दौरान संबद्ध एल्कोहलों के आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है:-

उत्पाद/देश	मात्रा- किग्रा0	मूल्य- रुपए
ई एच ए		
सऊदी अरब	1414000	36690839
ई एच ए (बैरेल)		
इरान	14400	418451
		37109290
एन बी ए		
नीदरलैंड	248750	5915941
जर्मनी	64200	1672836
पोलैंड	213000	4936157
यू एस ए	902480	20460461
कुल	1428430	32985395
एन बी ए (बैरेल)		
जर्मनी	13200	463984
ईरान	355049	9523225

यू एस ए	14750	458822
कुल	382999	10446031
आई बी ए		
सऊदी अरब	14400	385961
यू के	95400	2520667
यू एस ए	5755250	132744332
कुल	5865050	135650960
कुल योग	9104879	216191676

20. प्राधिकारी ने सत्यापन किया और विश्लेषण के आधार पर घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक कारकों/संकेतकों के संबंध में निम्नलिखित सूचना प्राप्त होती है:-

विवरण	इकाई	1999-00	2000-01	2001-02
बिक्रियों में प्राकृतिक और संभावित गिरावट				
वास्तविक बिक्री		100.00	135.51	105.06
कुल बिक्रियाँ - सभी प्रकार की	मी.टन	25787	34943	27093
लाभ				
उत्पादन लागत	रूपए/मी.टन	100.00	105.58	98.51
बिक्री कीमत	रूपए/मी.टन	100.00	124.04	107.66
हानि	रूपए/मी.टन	100.00	30.18	61.18
कुल लाभ/हानि		-100.00	-36.09	-50.26
	लाख रूपए	-1857.78	-670.52	-933.64
उत्पादन/पैदावार		100.00	132.69	106.74
कुल	मी.टन	25953	34437	27702
उत्पादकता				
प्रति कर्मचारी उत्पादन	मी.टन	100.00	133.60	112.50
निवेश पर आय		-100.00	-34.67	-47.23
क्षमता का उपयोग				
क्षमता	मी.टन	30000	36000	36000
क्षमता उपयोग	%	86.51	95.66	76.95
नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव				
नकदी प्रवाह		-100.00	70.65	32.46
माल सूचियाँ				
अंतिम स्टॉक	मी.टन	789	282	891
रोजगार		100.00	99.32	94.88

कर्मचारी	संख्या	293	291	278
मजदूरी		100.00	109.61	122.33
कर्मचारियों को भुगतान की गयी मजदूरी	लाख रुपये	293.31	321.49	358.81
बिक्रियों में वृद्धि	सूचीबद्ध	100.00	135.51	105.06

21. क्षति संबंधी मापदंडों का मूल्यांकन

(i) बिक्रियों में प्राकृतिक और संभावित कमी

प्राधिकारी ने यह पाया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कुल बिक्रियों में वर्ष 1999-2000 के संदर्भ में सुधार हुआ है।

(ii) लाभ

वर्ष 1999-2000 के दौरान कंपनी का घाटा 185.77 मिलियन रुपये था। यह घटकर 93.96 मिलियन रुपये रह गया है।

(iii) उत्पादन

जांच अवधि के दौरान उत्पादन 25,953 मी.टन से बढ़कर 27,702 मी0 टन हो गया है।

(iv) बाजार हिस्सा

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा, संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात निम्नानुसार रहे हैं -

मांग में बाजार हिस्सा(%)	1999-2000	2000-2001	2001-2002
संबद्ध देशों से आयात	36.46	8.24	13.28
अन्य देशों से आयात	7.73	7.67	40.80
ए पी एल की बिक्रियां	31.55	52.85	39.51
एन ओ सी आई एल की बिक्रियां	24.26	31.24	6.42
कुल	100	100	100

प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 1999-2000 में 55.81 प्रतिशत से कम होकर जांच अवधि के दौरान 45.93 प्रतिशत रह गया है। संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 13.28 प्रतिशत था जो वर्ष 1999-2000 के दौरान 36.46 प्रतिशत से घटकर हुआ था। इस गिरावट के लिए इन स्रोतों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

(v) कीमत कटौती

कीमत कटौती -29.62 प्रतिशत से + 29.63 प्रतिशत सौदेवार तक पायी गयी है। कीमत कटौती की गणना करते समय प्राधिकारी ने आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना उसी माह के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की है। तथापि, समूची जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना करने पर कीमत कटौती अधिक नहीं बनती है।

(vi) कीमत ह्रास

प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास का सामना करना पड़ा है।

(vii) कम कीमत पर बिक्री

पहुँच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ करने पर प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री भी पायी है। कम कीमत पर बिक्री 4 प्रतिशत से 45 प्रतिशत के बीच पायी गयी है। तथापि, ई यू से आई बी ए के निर्यातों के संबंध में कम कीमत पर कोई बिक्री नहीं हुई है।

(viii) उत्पादकता

प्रति कर्मचारी उत्पादकता 100 से बढ़कर 112.50 हो गयी है (सूचीबद्ध)।

(ix) निवेश पर आय

प्राधिकारी पाते हैं कि जांच अवधि के दौरान निवेश पर आय का नकारात्मक होना जारी है। यद्यपि घाटे की मात्रा कम हो गयी है।

(x) क्षमता उपयोग

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 86.51 प्रतिशत से घटकर 76.95 प्रतिशत रह गया है।

(xi) नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव

नकदी प्रवाह की स्थिति में जांच अवधि के दौरान सुधार प्रदर्शित हुआ है।

(xii) माल सूचियाँ

अंतिम स्टॉक जांच अवधि के अंत में 891 मी० टन था जो कि पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में बढ़ा है।

(xiii) रोजगार

कंपनी की कर्मचारी संख्या में थोड़ी कमी आई है।

(xiv) मजदूरी

कर्मचारियों को भुगतान की जाने वाली मजदूरी में वृद्धि हुई है।

(xv) संवृद्धि

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वर्ष 1998-99 की तुलना में 5.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि, पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि में महत्वपूर्ण गिरावट प्रदर्शित हुई है।

(xvi) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को घाटा पहुँचना जारी है। जैसा कि कंपनी की 31 मार्च, 2002 को समाप्त वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में रिकार्ड किया गया है, 4 - 5 वित्त वर्षों के दौरान कंपनी की अधिकतम निवल कीमत के 50 प्रतिशत से भी अधिक को 31 मार्च, 2002 को समाप्त कर दिया गया था। इसलिए कंपनी को पूंजी निवेश जुटाने में कठिनाई होगी।

22. क्षति का संचयी मूल्यांकन

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) के अनुसार उन मामलों में जहाँ किसी उत्पाद के एक से अधिक देशों से आयातों को एक साथ पाटनरोधी जांच के अधीन लाया जा रहा हो, तो प्राधिकारी के लिए ऐसे आयातों का समग्र रूप से मूल्यांकन करना तभी आवश्यक होता है जब यह निर्धारित होता हो कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन 2 प्रतिशत से अधिक है और यह निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया गया है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3 प्रतिशत है और(ख) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उचित है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक है इन देशों से आयातों की मात्रा समग्र रूप से कुल आयातों का 24.55 प्रतिशत है।

निर्यातकों के उत्तर, आयातकों की सूचना की जांच के बाद प्राधिकारी यह पाते हैं कि विभिन्न स्रोतों से आने वाली संबद्ध वस्तुओं की कीमतें लगभग तुलनीय हैं और ये महत्वपूर्ण रूप से परिवर्तित नहीं

होती हैं। इनको समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत आयात नहीं किया गया है। आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के लिए प्रयोक्ता उद्योग समान है। आयातकों तथा प्रयोक्ता उद्योग से प्राप्त सूचना से यह पता चलता है कि उन्होंने संबद्ध वस्तु को घरेलू उत्पादकों तथा संबद्ध देशों से आयातों से प्राप्त किया है। इसी उत्पाद को प्रयोक्ताओं द्वारा विभिन्न देशों से प्राप्त किया गया है और इसका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया गया है। आयातों के चैनलों को भी समान पाया गया है। इसलिए प्राधिकारी आयातित उत्पादों तथा आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का समग्र रूप से मूल्यांकन करना उचित मानते हैं।

23. समग्र मूल्यांकन और कारणात्मक संबंध

(i) घरेलू उद्योग के आर्थिक कारकों/ संकेतकों में से कुछेक जैसे बिक्रियाँ, उत्पादन, उत्पादकता घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार दर्शाते हैं। वे अपने घाटे को कम करने में भी सक्षम रहे हैं। कुछेक मापदंडों संबंधी घरेलू उद्योग के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के आलोक में देखा जाना है।

(ii) तथापि, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा कम हुआ है। इसके अलावा, यह तथ्य कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लगभग 9,104 मी.टन पाटित आयात हुए जो कुल मांग में बाजार हिस्से का 13.28 प्रतिशत बनता है, इस बात का खतरा है कि यदि पाटनरोधी शुल्क हटाये जाते हैं तो आयात बढ़ेंगे।

(iii) प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा कीमत कटौती के कारण क्षति उठाना जारी है। कीमत कटौती को -29.62 प्रतिशत से + 29.63 प्रतिशत सौदेवार के परास में पाया गया है। कीमत कटौती की गणना करते समय प्राधिकारी ने आयातों के पहुँच मूल्य की उसी महीने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से तुलना की है। तथापि, पूरी जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली की तुलना पर कीमत कटौती महत्वपूर्ण नहीं है।

- (iv) प्राधिकारी ने यह पाया है कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमत ह्रास होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (v) घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना पहुँच मूल्य से करके प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कम कीमत पर बिक्री होना पाया है। तथापि, ई यू से आई बी ए के निर्यातों के संबंध में कम कीमत पर बिक्री नहीं हुई है।
- (vi) 31 मार्च, 2002 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी का घाटा 93.36 मिलियन रू० का था।
- (vii) प्राधिकारी का यह विचार है कि नियम 23 के अंतर्गत यह एक समीक्षा जांच है और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 से भी प्राधिकारी को दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं। प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि यदि शुल्क को हटा दिया जाए तो क्या क्षति के जारी रहने की अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन को संबद्ध देशों से आयातों संबंधी वर्तमान पाटनरोधी उपायों के समग्र संदर्भ में भी देखा जाना है।
- (viii) निर्यातकों/आयातकों ने यह तर्क दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का लाभ उठाने के लिए ए पी एल के पास कच्ची सामग्री के आयात के लिए जेटी नहीं है। प्राधिकारी ने इस पहलू की जांच की और उन्होंने यह पाया कि वस्तुतः मै० ए पी एल ने जांच अवधि के लिए दक्षिण पूर्व एशिया की कीमतों के आधार पर विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से खरीदने के बजाय मै० एच पी सी एल से मूल कच्ची सामग्री प्रोपेलीन की अपनी खरीद में बचत की थी। जहाँ तक इन तर्कों का संबंध है कि ए पी एल की अवस्थिति अलाभकारी है और उसके उपभोक्ता विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं, प्राधिकारी ने यह पाया है कि ए पी एल द्वारा अपनी बिक्रियाँ कारखाना द्वार कीमत के आधार पर की जाती हैं और कीमत कटौती के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कारखाना द्वार कीमत की तुलना निवल बिक्री प्राप्ति से की गई है। इसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं पाया गया है। ए पी एल से संयंत्र आकार तथा उत्पादन के मापदंड की किसी अनुवर्ती अर्थ-व्यवस्था के संबंध में प्राधिकारी के समक्ष सत्यापन योग्य आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए और इसलिए आयातक/निर्यातक का यह तर्क प्रमाणित नहीं हुआ था। प्राधिकारी ने यह पाया है कि पाटित संबद्ध वस्तु के लगातार आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। यह एक मध्यावधि समीक्षा है और मूल्यांकन के आधार पर प्राधिकारी ने यह पाया है कि कई संबद्ध देशों से पाटन जारी है। प्राधिकारी का आगे यह विचार है कि घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और वर्तमान पाटनरोधी उपायों को बंद कर देना उचित नहीं होगा क्योंकि इससे पाटन तथा क्षति दोनों ही जारी रहेंगे और इनकी पुनरावृत्ति होगी। अतः प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण को जारी रखने को उचित मानते हैं।

ज. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

24. प्लास्टिसाइजर्स के उच्चतर आयात

आई सी एम ए तथा आई पी एम ए द्वारा यह तर्क दिया गया है कि सस्ते प्लास्टिसाइजर्स का अत्यधिक आयात हो रहा है जिसके परिणामस्वरूप प्लास्टिसाइजर उद्योग को बाजार हानि हो रही है। ऑक्सो एल्कोहल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण प्लास्टिसाइजर की विनिर्माण लागत में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है और भारतीय प्लास्टिसाइजर उद्योग की व्यवहार्यता खतरे में है और इसके परिणामस्वरूप कई इकाइयाँ बंद हो जाएँगी। थैलिक एन्हाइड्राइड तथा ऑक्सो एल्कोहल से प्लास्टिसाइजर को मिलने वाले मूल्य वर्धित मार्जिन पर पाटनरोधी शुल्क का कोई औचित्य प्रमाणित नहीं होता है। प्राधिकारी यह दोहराते हैं

कि साधारण तौर पर पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन को समाप्त करना है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और भारतीय बाजार में मुक्त और उचित प्रतिस्पर्धा को बहाल करना है, जो कि देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी ने प्लास्टिसाइजर विनिर्माणकर्ता इकाइयों में से कुछ की सूचना का सत्यापन किया है। तथापि, इसका सत्यापन करने के लिए कि उनकी लाभप्रदता में कमी आई थी, कोई साक्ष्य नहीं था।

25. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने से भारत में उत्पाद की कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कोई कमी नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन की प्रक्रिया से प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार सीमित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बने रहेंगे।

झ. अंतिम जांच परिणाम

26. पूर्वोल्लिखित पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि-

- (i) संबद्ध ऑक्सो अल्कोहल का निर्यात पोलैंड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यू.एस.ए. तथा यूरोपीय संघ से उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर हुआ है। इस समीक्षा की जांच अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया से पाटन होने का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया था;
- (ii) पोलैंड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यू.एस.ए. और यूरोपीय संघ से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होना जारी है;
- (iii) पोलैंड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यू.एस.ए. और यूरोपीय संघ से पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है; और
- (iv) प्राधिकारी यह उचित समझते हैं कि पोलैंड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यू.एस.ए. और यूरोपीय संघ से आयातों के संबंध में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखा जाए और उसको वापस लिए जाने से पाटन तथा क्षति जारी रहेंगे और उनकी पुनरावृत्ति होगी।

27. प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध ऑक्सो अल्कोहल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश को उचित समझते हैं। पाटनरोधी शुल्क की राशि पाटन मार्जिन अथवा क्षति के मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर होगी और जिसे लगाए जाने पर घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित की गई घरेलू उद्योग की क्षतिरहित बिक्री कीमत से की गई है। इस समीक्षा के अनुसार संस्तुत पाटनरोधी शुल्क केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जानेवाली अधिसूचना की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध रहेंगे।

28. पाटनरोधी शुल्क सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के सीमाशुल्क शीर्ष 2905 के अंतर्गत आने वाले पोलैण्ड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, अमरीका और यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित निम्नांकित एसाइक्लिक अल्कोहलों (ऑक्सो अल्कोहलों) अर्थात् 2 ई एच ए, एन बी ए, आई बी ए और आइसो ऑक्टेनॉल के आयातों पर लागू होगा।

पाटनरोधी शुल्क निम्नांकित कालम 9 में उल्लिखित राशियों तथा यू एस डालर/मी० टन में आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर होगा ।

क्र० सं०	उप-शीर्ष	वस्तुओं का वितरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	सऊदी अरब	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	756.82	मी० टन	अमरीकी डालर
2.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	कोई देश	सऊदी अरब	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	756.82	मी० टन	अमरीकी डालर
3.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	ईरान	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	628.42	मी० टन	अमरीकी डालर
4.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	कोई देश	ईरान	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	628.42	मी० टन	अमरीकी डालर
5.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	एन बी ए	ईरान	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	622.04	मी० टन	अमरीकी डालर
6.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	एन बी ए	कोई देश	ईरान	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	622.04	मी० टन	अमरीकी डालर
7.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	पोलैंड	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी० टन	अमरीकी डालर
8.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	कोई देश	पोलैंड	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी० टन	अमरीकी डालर
9.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	एन बी ए	यू एस ए	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी० टन	अमरीकी डालर
10.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	एन बी ए	कोई देश	यू एस ए	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी० टन	अमरीकी डालर
11.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	यू एस ए	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	713.38	मी० टन	अमरीकी डालर
12.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए आइ बी ए आइसोओक्टाणोल	कोई देश	यू एस ए	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	713.38	मी० टन	अमरीकी डालर
13.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइसोओक्टाणोल	ई यू	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी० टन	अमरीकी डालर
14.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइसोओक्टाणोल	कोई देश	ई यू	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी० टन	अमरीकी डालर

15.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइ बी ए आइसोओक्टानोल	रूस	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	824.47	मी0 टन	अमरीकी डालर
16.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	2 ई एच ए एन बी ए आइ बी ए आइसोओक्टानोल	कोई देश	रूस	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	826.47	मी0 टन	अमरीकी डालर
17.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	एन बी ए	रूस	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी0 टन	अमरीकी डालर
18.	2905	एसाइक्लिक अल्कोहल	एन बी ए	कोई देश	रूस	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	727.35	मी0 टन	अमरीकी डालर

29. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी प्रकार के सीमाशुल्क होंगे ।

30. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क, सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 2004

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-Dumping Investigations in the matter relating to review of anti-dumping duty imposed on imports of Oxo Alcohols from Poland, Republic of Korea, Indonesia, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union.

No. 40/1/2001-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

A. PROCEDURE:

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above mentioned Rules initiated the review of anti-dumping duty imposed on imports of certain types of Oxo Alcohols originating in or exported from Poland, Republic of Korea, Indonesia, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union (hereinafter referred to as subject countries/territory). Final Findings in the previous investigation were notified by the Designated Authority vide Notification No.15/1/99/DGAD dated 17th July, 2000 recommending imposition of anti-dumping duty on imports of Oxo Alcohols from subject countries. The review of the anti-dumping duty imposed had been initiated vide Notification No. 40/1/2001-DGAD dated 27th August, 2002.

- (ii) The Designated Authority sent a copy of Initiation Notification to the Embassies of the subject countries, the Delegation of the European Commission in India, the exporters, importers and the domestic industry as per the list available in the findings of the original Anti-dumping investigation and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation of this review investigation.
- (iii) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2). The Authority sent questionnaire to the following known exporters:-

1. L G Chemicals Limited
Seoul, Republic Of Korea
2. M/S Zak
Poland
3. Arak Petrochemical Company
Tehran, Iran.
4. Al-Jubail Fertilisers Company
Saudi Arabia
5. Saudi Basic Industries Corporation (Sabic)
Kingdom of Saudi Arabia
6. Pt. Petrowidada,
Indonesia
7. Huls Aktiengesellschaft,
Germany
8. BASF Ag
Germany
9. Helm Ag,
Germany
10. Chemische Werke Huels
Germany
11. Eastman Chemical Company
USA
12. ICC Chemical Corporation
USA.
13. Vinmar International Limited
USA

14. Union Carbide Corporation
USA
15. Artistech Chemical Corporation
USA
16. Neste Chemicals
Sweden
17. OXENO Olefinchemie GmbH
Federal Republic of Germany
18. M/s.Iran Petrochemicals Commercial Company,
Tehran, Iran.

(iv) The Authority forwarded copy of the public notice to the following known importers and consumers in India (whose details were made available by the petitioners in the original investigations) in accordance with Rule 6(4) & (5) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.

1. KLJ Plasticisers
New Delhi 110 015
2. PCL Oil and Solvents Limited,
New Delhi 110 001
3. Indo Nippon Chemical Company Limited,
Mumbai 400 020
4. Vision Organics Pvt. Limited,
Baroda 390 007
5. Lubrizol India Pvt. Ltd.,
Mumbai – 400 025.
6. Hmg Industries Limited
Mumbai 400 059
7. API Industrial Corporation
Delhi 110 035
8. C J Shah & Company
Mumbai 400 021

9. Harsh Kumar & Company
Mumbai 400 021
10. Vikas Organics Pvt. Limited,
New Delhi 110 026
11. Kothari Polymers Limited,
New Delhi 110 002
12. Payal Polymers,
New Delhi 110 002
13. Texpo Trading Private Limited
Mumbai 400 001
14. Guljoy Industries Limited,
Jodhpur, Rajasthan
15. N.K. Polymers & Additives Mfg. Co.
DAMAN
16. SILVASSA PLAST
New Delhi – 110 015.
17. K.L.J. Polymers and Chemicals Limited
New Delhi – 110 015.
18. Rachna Plasticizers
Mumbai – 400 052.

- (v) The Authority forwarded the initiation notification to the Embassies of the subject countries in India; the European Union, Delegation of the European Commission in India in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the concerned Embassies, along with a list of known exporters/producers.
- (vi) Request was made to the DGCI&S to make available details of imports of subject goods.
- (vii) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc. for wider circulation.

- (viii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 3.7.2003. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (ix) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;
- (x) Arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in these findings;
- (xi) Domestic Industry was called to give information on injury and which was furnished to the Authority.
- (xii) The Authority conducted verification of the information of the domestic industry and also to work out the optimum cost of production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).
- (xiii) The Authority conducted verification of information of some of the importers and elicited views relating to the investigation.
- (xiv) In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 10th February, 2004 and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (xv) The period of investigation (POI) for the present review is 1st April, 2001 to 31st March, 2002.
- (xvi) ***in this notification represents information furnished by the interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B. VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

3. The views expressed by various interested parties in response to the initiation notification, subsequent to the oral hearing and in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paragraphs herein below. Responses were received from the following :

Exporters :

- (i) M/s SABIC, Saudi Arabia
- (ii) M/s Iran Petrochemical Commercial Company, Iran
- (iii) M/s Oxeno Olefinchemie GmbH, Germany

Importers :

- (i) M/s K.L.J. Plasticizers
- (ii) M/s K.L.J. Polymers and Chemicals Ltd.
- (iii) M/s Silvassa Plast
- (iv) M/s Vikas Organics (P) Ltd.
- (v) M/s Indo-Nippon Chemical Co. Ltd.
- (vi) M/s API Industrial Corporation
- (vii) M/s N.K. Polymers & Additives Mfg. Co.
- (viii) M/s PCL Oil & Solvents Ltd.
- (ix) M/s Rachna Plasticizers
- (x) M/s Payal Polymers
- (xi) M/s Lubrizol India Pvt. Ltd.
- (xii) Indian Plasticizers Manufacturers Association (IPMA).

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. In the Initiation notification dated 27th August 2002, the Product under consideration had been described in the similar manner as in the original investigation i.e.: -

“Following Acyclic Alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives, known as Oxo Alcohols in the commercial and technical parlance and defined under customs sub-heading No. 2905 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975:-

- (i) 2-Ethyl Hexanol (also known as 2-EHA)
- (ii) Normal Butanol (also known as NBA)
- (iii) Iso Butanol (also known as IBA)
- (iv) Iso Octanol
- (v) Iso Decanol
- (vi) Normal Hexanol
- (vii) Heptanol (Iso Heptanol and Normal Heptanol)
- (viii) Nonanol (Iso Nonanol and Normal Nonanol)
- (ix) Tri Decanol
- (x) 2 Propyl Heptanol”

Representations were received as regards the scope of the Product under consideration. It was pointed out that although the original investigation had been initiated in respect of 10 forms of Oxo Alcohols, the Designated Authority had restricted

the investigations to Normal Butanol, Iso Butanol, Iso Decanol, Iso Octanol, 2-Ethyl Hexanol and Normal Hexanol as per the Preliminary Findings dated 3.12.99 and Final Findings dated 17.7.2000. Further, as per the orders dated 11.4.2001 of the Hon'ble CEGAT, Normal Hexanol was deleted from the list of Oxo Alcohols subject to anti-dumping duty. Therefore, only the following five types of Oxo Alcohols were subject to anti-dumping duty in respect of this investigation: -

- (i) Normal Butanol,
- (ii) Iso Butanol,
- (iii) Iso Decanol,
- (iv) Iso Octanol,
- (v) 2-Ethyl Hexanol

Having regard to the provisions of Rule 23 of Rule *supra* and the arguments put forth by the exporters and importers, the Designated Authority considered it appropriate to restrict the scope of the Product under consideration for the mid-term review in respect of the aforesaid five types of Oxo Alcohols and a corrigendum dated 11th December, 2002 had been issued to this effect.

Arguments have been made by the domestic industry that the Authority has incorrectly excluded some of the forms of Oxo Alcohols which were part of the earlier investigation. According to the domestic industry, the scope of review should also cover the Oxo Alcohols excluded in the earlier investigation.

On behalf of Indian Plasticisers Manufacturers Association (IPMA), M/s Lubrizol India Pvt. Ltd. (Importers), M/s Saudi Arabian Basic Industries Corporation (SABIC), Saudi Arabia and M/s Degussa AG, Germany, it has been argued that in terms of Rule 23, the review is for evaluating the need for continued imposition of the anti dumping duty. The word 'continued' imposition pre-supposes the existence of a duty in the first place. The Oxo Alcohols that are not subject to anti dumping duty cannot therefore, be the subject matter of review. The scope of the review should be as mandated by the Corrigendum issued by the Designated Authority. The scope of the product cannot be enlarged as argued by the domestic industry.

The Authority has examined arguments made in this regard and is of the view that in accordance with Rule 23, present review may be restricted to the five types of Oxo Alcohols as per Corrigendum dated 11th December, 2002. Accordingly, the Authority has considered the product under consideration for this review as :

"Following Acyclic Alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives, known as Oxo Alcohols in the commercial and technical parlance and defined under customs sub-heading No. 2905 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975:-

- (i) Normal Butanol,
- (ii) Iso Butanol,

- (iii) Iso Decanol,
- (iv) Iso Octanol,
- (v) 2-Ethyl Hexanol”

5. Like Article :

M/s Andhra Petrochemicals Ltd. produces 2EHA, NBA and IBA. No significant arguments had been brought before the Authority as regards the issue of like article. In another investigation relating to imports of certain types of Acyclic Alcohols from Singapore, Brazil, Romania, Malaysia and South Africa, the Authority had issued Final Findings vide Notification No. 63/1/2001-DGAD dated 29th July, 2003. In that investigation, based on the information / evidence, the Authority had held inter alia Normal Butanol (NBA), 2Ethyl Hexanol (2EHA), Iso Butanol (IBA), Octanol and Iso Octanol as like article to the domestically produced Oxo Alcohols viz. 2EHA, IBA and NBA. On the basis of information furnished by the domestic industry, the importers and user industry, the Authority is of the view that Normal Butanol (NBA), 2Ethyl Hexanol (2EHA), Iso Butanol (IBA), and Iso Octanol being imported from the subject countries are Like Article to the domestically produced Oxo Alcohols.

D. DOMESTIC INDUSTRY:

6. Oxo Alcohols Industries Association represented the domestic producers, viz., Messrs. Indu Nissan Oxo Chemical Industries Limited, Mumbai; National Organic Chemical Industries Ltd., Mumbai (NOCIL) and Andhra Petrochemicals Ltd., Hyderabad (APL) in the previous investigations. It has been reported that M/s. Indu Nissan Oxo Chemical Industries Ltd., Mumbai and M/s. NOCIL, Mumbai have suspended production of the subject goods. None of these two units have commenced production. However, M/s. Andhra Petrochemicals Ltd., Hyderabad continues to produce Oxo Alcohols and represents the domestic industry. The Authority, therefore, holds that M/s Andhra Petrochemicals Ltd. represents the domestic industry.

E. OTHER ISSUES :

7. **Need for Initiation of this Review** – It has been argued on behalf of the domestic industry that exporters / importers / consumers have not brought sufficient grounds for initiation of this review. This review was initiated merely on a representation made by some importers or exporters. The interested parties had not given any positive information substantiating the need for review. Indu-Nissan had suspended its production even before initiation of original investigation. Even if it is argued that NOCIL has suspended production and the same warranted review, it would be an insufficient ground for initiating review.

On behalf of Indian Plasticisers Manufacturers Association (IPMA), M/s Lubrizol India Pvt. Ltd. (Importers), M/s Saudi Arabian Basic Industries Corporation (SABIC), Saudi Arabia and M/s Degussa AG, Germany, it has been argued that as per Rule 23, the Designated Authority shall, from time to time, review the need for continued imposition

of the anti dumping duty. The Rule further requires that the Designated Authority shall recommend withdrawal of the anti dumping duty if it is satisfied that on the basis of information received, there is no justification for continued imposition of said duty. In the original investigation, there were three producers of Oxo Alcohols that were the subject matter of the investigation. One of the three producers, M/s Indu-Nissan has ceased production for almost three years. Indu-Nissan was the only producer of Iso Octanol and Iso Decanol that were subject to anti dumping duty in the original investigation. The other two producers M/s APL and M/s NOCIL do not produce these alcohols. It is in the context of this changed circumstance that they had approached the Authority for a review of the existing anti dumping duty. Since there is no producer of Iso Octanol and Iso Decanol in India, there is a need to review and withdraw the anti dumping duty on these two alcohols. It has been further argued that though there is no requirement under Rule 23 to demonstrate the need for a review, it has been demonstrated that there is a changed circumstance warranting the review. It is also relevant to note that NOCIL has also stopped production of Oxo Alcohols.

The Authority has examined these arguments and is of the view that closure of Indu-Nissan and NOCIL was sufficient reasons to initiate a review. The Authority also noted that more than two and a half years had elapsed since the imposition of anti dumping duty in this case. Moreover, exporter from Iran had also requested for a review vide their letter dated 27th January, 2002. The Authority is, therefore, of the view that the present review had been initiated in keeping with the requirement of Rule 23.

8. Withdrawal of duty on Iso-Octanol and Iso-Decanol - As per the arguments of IPMA, M/s Lubrizol and Indian Chemical Manufacturers Association (ICMA), the only producer of Iso Octanol and Iso Decanol was M/s Indu-Nissan who has not recommenced production despite their letter dated 30th June, 2003. Fact remains that they have not commenced commercial production. During the period of review, there is no production of Iso Octanol and Iso Decanol. Therefore, these two Oxo Alcohols should be excluded from anti dumping duty.

It has been argued by the domestic industry that the sole producer of Iso Octanol and Iso Decanol had suspended production at the time of original investigation itself, therefore, there is no changed circumstance warranting reversal of earlier decision of the Designated Authority. Even when the domestic industry had suspended production of this type long back, there are no significant imports of this product. In case, there are no like articles to Iso Decanol and Iso Octanol and in case the goods are not being supplied by the domestic industry, it follows that the consumers must be importing the same. There is no evidence to suggest that there are imports to such an extent. Evidently, consumers have switched their requirements to other types of alcohols.

As per the information furnished by M/s Lubrizol, they have given evidence of imports of Iso Decanol and Iso Octanol during the POI. They have also stated that they are using it for manufacturing, additives and lubricants. The additives / lubricant industry is highly specification conscious and they cannot use 2EHA in place of Iso Octanol. The Authority, in the another anti dumping investigation relating to imports of Acyclic

Alcohols from Singapore, Brazil, Romania, Malaysia and South Africa, has treated Iso Octanol as Like Article to the domestically produced Oxo Alcohols. The Authority, therefore, considers it appropriate to recommend anti dumping duty on Iso Octanol.

The Authority finds that M/s Indu Nissan who used to produce Iso Octanol and Iso Decanol, have not recommenced production. In addition, sufficient evidence has not been made available to the Authority to treat Iso Decanol as Like Article to domestic product. Therefore, the Authority does not propose to recommend anti dumping duty on Iso Decanol.

F. EXAMINATION OF ISSUES RELATING TO NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING

9. The Authority sent questionnaires to all known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with section 9A(1)(C) of the Act. Responses were received from only the following exporters :

- i. M/s SABIC, Saudi Arabia
- ii. M/s Iran Petrochemical Commercial Company, Iran
- iii. M/s Oxeno Olefinchemie GmbH, Germany

10. M/s SABIC, Saudi Arabia :

M/s SABIC has furnished information regarding their exports of 2EHA to India. As per their response, they have no domestic sales of 2EHA. They have given information regarding their exports to other countries. As per their response, they export 2EHA to South East Asia, Japan, Indian Sub-continent including Pakistan, North America, South Africa.

It has been argued by the domestic industry that non-confidential response of SABIC was provided to them just before the Disclosures. Moreover, the response filed by the exporter is insufficient and inadequate. It has not been disclosed that how exports to Pakistan constitute comparable, representative and to an appropriate third country. Transaction-wise data relating to exports to third country is not provided, hence it is not known whether the exporter has exported more than 20% of its exports at a loss. The information regarding cost of production is insufficient. No price adjustment has been made with regard to commission to SABIC. The Authority seems to have accepted the response without verification.

Authority has examined the views of the domestic industry and the response furnished by the exporter. The exporter has made exports of only two consignments to India during June, 2001. During this period, they had exported to 2EHA to Pakistan also. The exports to Pakistan are of a higher quantity during this period. Having regard to the geographical proximity of Pakistan to India, exports of sufficient quantity to Pakistan and the same period of export are factors considered sufficient to indicate that the export price to Pakistan is comparable representative price to an appropriate third country in

accordance with Section 9A(1)(c) of the Act. The Authority also found the information furnished by the exporter to be sufficient to make determination regarding Normal Value and export price. Verification of exporter's information as per Article 6.7 of the Agreement is not a mandatory requirement. The non-confidential version of the exporter's response was provided to the domestic industry and they were able to offer their comments. The exporter had claimed certain information as confidential in accordance with Rule 7(1).

Exports to Pakistan are , therefore, considered as the basis for determination of Normal Value. These sales appear to be in the ordinary course of trade based on the information relating to cost of production. The Normal Value is thus determined as US\$ *** PMT. M/s SABIC has made exports of *** MT of 2EHA to India. The export price has been determined as the weighted average of these exports. Adjustments have been made on account of marketing fee, overseas freight, clearance and handling as per exporter's information. As regards adjustments on account of credit cost, it has been informed by the exporter that in one export sale, the payment terms were 90 days from the Bill of Lading. Separate invoice for interest had been raised in addition to the CIF export price. Necessary documents to this effect have been provided by the exporter. After taking into account this clarification, the export price at ex-factory level comes to US\$***.

11. M/s Iran Petrochemical Commercial Company (IPCC), Iran

IPCC, Iran has furnished information regarding their domestic sales and exports of Normal Butanol (NBA), 2EHA and Iso Butanol. During the POI, they had made exports to India of 2EHA and NBA. Based on the available information, the domestic sales of 2EHA and NBA are considered in the ordinary course of trade. The Normal Value of 2EHA on the weighted average sales price is arrived at US\$ *** PMT after making adjustments as per information furnished. The Normal Value of NBA on the weighted average sales price is arrived at US\$ *** PMT after making adjustments as per information furnished.

The exporter has furnished information regarding export price of 2EHA and NBA. Adjustments have been made from the weighted average export price as per information given by the exporter to arrive at export price at ex-factory level of US\$ ***PMT for 2EHA and US\$ ***PMT for NBA.

12. M/s Oxeno Olefinchemie GmbH, Germany

M/s Oxeno Olefinchemie GmbH, Germany has furnished information regarding their exports of Iso Nonanol to India. As Iso Nonanol is not covered within the scope of this review investigation, this information has not been considered useful for determining Normal Value, export price and dumping margin.

13. Poland, Republic of Korea, Indonesia, Russia, USA and EU.

As regards exporters from Poland, Russia, USA and EU, the Authority notes that none of the exporters from these countries have co-operated in furnishing information regarding Normal Value and export price in respect of products covered by the review investigation. The Authority has constructed the Normal Value on the following basis :

Raw Material	Country	Basis of Normal Value
Propylene	Poland	Based on Chemical Weekly for the POI – EU Average Price
	Russia	Based on North East Asia Price – ICIS LOR - Average for POI
	USA	Based on ICIS LOR Prices for US region for POI
	EU	Based on Chemical Weekly for the POI – EU Average Price
Naptha	Poland	Based on Chemical Weekly for the POI
	Russia	Based on Chemical Weekly for the POI - Average Price for North East Asia
	USA	Based on ICIS LOR Prices for US region for POI
	EU	Based on Chemical Weekly for the POI
Other Raw Material	All above Countries	Based on cost of production of domestic industry – adjusted for custom duty, CVD, SAD
Other Conversion and fixed costs	All above Countries	Based on cost of production of domestic industry – adjusted for optimum capacity utilization

It has been argued by the exporter and importers that instead of constructing the Normal Value, the Authority should rely on published prices of concerned Alcohols in the Chemical Weekly and ICIS LOR. While constructing the Normal Value, the Authority cannot take the cost of production of the Indian Domestic Industry. The Authority is of the view that in accordance with Section 9A (1)(c), Normal Value can be determined on the basis of the comparable price in the home market of the exporting country or the comparable price of Like Article when exported to an appropriate third country or the cost of production of said article in the country of origin. The ICIS LOR or Chemical Weekly published prices for Oxo Alcohols cannot be used as a basis for determination of Normal Value. In the given circumstance where the exporter from these countries have not co-operated by giving information for Normal Value determination, the Authority has to resort to constructing the Normal Value on the basis of facts available in accordance with Article 6.8 [read with Rule 6(8)]. Therefore, as far as possible, the Authority has obtained price of raw materials for the respective countries and in respect of other elements of costs, it has to rely on best available information. In respect of Russia Authority has determined dumping margin on the basis of constructed normal value as per above methodology. The export price has been determined on the basis of the information furnished by the importer.

As regards Republic of Korea and Indonesia, the Authority notes there are no exports from these countries of subject Alcohols during the POI. The Authority has considered the arguments by some of the exporters that no imports had taken place from Republic of

Korea and Indonesia. In the absence of exports dumping margin cannot be determined and without determining dumping margin, no anti dumping duty can be levied. It is further argued that adopting the same dumping margin as for the original investigation is against the provision of Rule 23. The Authority has considered these arguments and is of the view that it may not be feasible to determine the dumping margin for the POI of this review in the absence of clear information regarding exports of subject Alcohols from Republic of Korea and Indonesia.

14. Dumping Margin in respect of Saudi Arabia, Poland, Russia, Iran, USA and EU:-

The Authority followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the anti-dumping rules. Dumping margin has been determined on the basis of a fair comparison of Export price with the Normal value in pursuance of the principle laid down in para 6 of Annexure-I to the rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. ex-factory level. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority assessed the dumping margin as under:

Country	2EHA	NBA	IBA
Saudi Arabia	1.87		
Iran	14.78	17.07	
Poland		37.80	
USA		55.46	47.84
EU		31.02	14.91
Russia	103.29	107.38	

Wherever the data showed no imports of a particular form of Oxo Alcohols from a particular subject country to India, the box relating to dumping margin for that particular form of Oxo Alcohol from the particular subject country has been left blank.

G. INJURY AND THREAT OF INJURY

15. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:

“Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers

of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules.”

16. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

- (i) A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.
- (ii) While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

17. **Views of the Domestic Industry:**

M/s APL, representing the domestic industry has furnished information on various indices /factors. There may not be imports of some types of Oxo Alcohols from some of the countries. However, this may be due to the very imposition of anti dumping duty and may well established the need to continue the anti dumping duty in force. The injury to the domestic industry must be seen in the context of anti dumping duties and the legal requirement which prescribe for a determination whether injury to the domestic industry would continue or recur in the event of revocation of existing duties.

18. **Views of Exporters / Importers :**

On behalf of Indian Plasticisers Manufacturers Association (IPMA), M/s Lubrizol India Pvt. Ltd. (Importers), M/s Saudi Arabian Basic Industries Corporation (SABIC), Saudi Arabia and M/s Degussa AG, Germany. It has been argued that APL does not have a jetty for import of raw material to take advantage of international prices. Moreover the annual capacity of the plant is 35000 MTs against the plants set up in the other countries of not less than 1,00,000 MTs. Thus, APL has lost any advantage from economies of scales of production. Further, APL also has a locational disadvantage in that the consumers of their products are located at different places. Consequently, APL has to incur much higher inland freight charges further eroding their competitiveness. Further, it has been argued that the solution to the problem of the Oxo Alcohol Industry is not in levying of anti Dumping Duty but in increasing their efficiency to face the international competition, to which companies even smaller than APL have adjusted to. In response to the Disclosure Statement, it has been argued that in the absence of price undercutting,

causal link is absent. When price undercutting is not significant, the imported goods cannot be said to have caused any injury to the domestic industry. Injury to the domestic industry cannot be attributed to the dumped imports. There is no need to examine price underselling in this case when there is no significant price undercutting. The injury is not caused by price underselling. As the Authority has determined that price undercutting is not significant, the imports could not have caused any injury and therefore, no anti dumping duty should be levied in spite of price underselling.

19. Volume of imports:

The volume of imports of subject Alcohols during the POI as per transaction-wise import data from DGCIS has been as under:

Product/Country	Quantity-Kgs	Value-Rs.
EHA		
Saudi Arabia	1414000	36690839
EHA-(Barrel)		
Iran	14400	418451
		37109290
NBA		
Netherland	248750	5915941
Germany	64200	1672836
Poland	213000	4936157
USA	902480	20460461
Total	1428430	32985395
NBA-(Barrel)		
Germany	13200	463984
Iran	355049	9523225
USA	14750	458822
Total	382999	10446031
IBA		
Saudi Arabia	14400	385961
UK	95400	2520667
USA	5755250	132744332
Total	5865050	135650960
Grand Total	9104879	216191676

20. The Authority has conducted verification and on analysis, following information emerges on various economic factors / indices of the domestic industry:

Particulars	Unit	1999-00	2000-01	2001-02
-------------	------	---------	---------	---------

Natural & Potential Decline in Sales				
Actual Sales		100.00	135.51	105.06
Total Sales – All Types	MT	25787	34943	27093
Profits				
Cost of Production	Rs./MT	100.00	105.58	98.51
Selling Price	Rs./MT	100.00	124.04	107.66
Loss	Rs./MT	100.00	30.18	61.18
Total Profit / Loss		-100.00	-36.09	-50.26
	Rs.Lacs	-1857.78	-670.52	-933.64
Output / Production		100.00	132.69	106.74
Total	MT	25953	34437	27702
Productivity				
Productivity per Employee	MT	100.00	133.60	112.50
Return on Investment		-100.00	-34.67	-47.23
Utilization of Capacity				
Capacity	MT	30000	36000	36000
Capacity Utilization	%	86.51	95.66	76.95
Actual and potential negative effect on cash flow				
Cash Flow		-100.00	70.65	32.46
Inventories				
Closing Stocks	MT	789	282	891
Employment		100.00	99.32	94.88
Employees	Nos.	293	291	278
Wages		100.00	109.61	122.33
Wages paid to employees	Rs.Lacs	293.31	321.49	358.81
Growth in Sales	Indexed	100.00	135.51	105.06

21. Assessment of Injury Parameters :

(i) Natural and Potential decline in Sales

The Authority finds that total sales of domestic industry have shown improvement during POI with reference to year 1999-2000.

(ii) Profits

The losses of the Company were Rs.185.77 Million during 1999-2000. These have come down to Rs. 93.36 Million.

(iii) Output

The production has increased from 25,953 MT to 27,702 MT during POI.

(iv) Market Share

The market share of domestic industry, imports from subject countries and other countries has been as under :

Market Share in demand (%)	1999-2000	2000-2001	2001-2002
Imports from subject countries	36.46	8.24	13.28
Imports from other countries	7.73	7.67	40.80
Sales of APL	31.55	52.85	39.51
Sales of NOCIL	24.26	31.24	6.42
Total	100	100	100

The Authority finds that the market share of domestic industry has come down from 55.81% in 1999-2000 to 45.93% during POI. The share of imports from subject countries was at 13.28% during POI which declined from 36.46% during 1999-2000. This decline can be attributed to the existing anti dumping duties on these sources.

(v) Price Undercutting

The price undercutting has been found to be in the range of -29.62% to +29.63% transaction-wise. While calculating the price under-cutting the Authority has compared the landed value of imports with the Net Sales realization of the domestic industry for the same month. However, on a comparison of weighted average net sales realization of the domestic industry for the whole investigation period, the price undercutting is not significant.

(vi) Price Depression

The Authority finds that the domestic industry has suffered price depression as a result of dumped imports:

(vii) Price underselling

The Authority also finds significant price underselling as a result of dumped imports from subject countries by comparison of the landed value with the Non Injurious Price of the domestic industry. The Price under-selling has been found to be in the range of 4% to 45%. However, in respect of exports of IBA from EU there is no price underselling.

(viii) Productivity

The productivity per employee has increased from 100 to 112.50 (indexed).

(ix) Return on Investment

The Authority finds that the return on investment continues to be negative during POI though the extent of loss has declined.

(x) Utilization of Capacity

The capacity utilization of the domestic industry declined from 86.51% to 76.95% during POI.

(xi) Actual and Potential Negative Effects on Cash Flow

The cash flow position has shown improvement during the POI.

(xii) Inventories

The closing stock at the end of POI were 891 MT which has increased in comparison to the earlier years.

(xiii) Employment

There is a small decrease in the number of employees of the Company.

(xiv) Wages

There has been increase in the wages paid to the employees.

(xv) Growth

The Authority notes that the domestic industry has shown growth of sales of 5.06% during the POI in comparison to the year 1998-99. However the growth showed a significant decline in comparison to the previous year.

(xvi) Ability to raise Capital Investment

The Authority notes that the domestic industry had continued to suffer losses. As recorded in the Annual Report for the year ended 31st March, 2002 of the company, more than 50% of the Peak Net Worth of the Company during the 4-5 financial years was eroded as of 31st March, 2002. Therefore, the Company would find difficulties in raising capital investment.

22. Cumulative assessment of injury:

As per annexure-II (iii) of Anti Dumping Rules, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article --- and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from these countries collectively are 24.55% of total imports.

On an examination of the exporters' response, importers' information, the Authority finds that the prices of the subject goods coming from different sources are almost comparable and do not vary significantly. These have been imported under the same tariff classification. The user industry for the imported product and the domestic product is same. The information received from the importers and the user industry reveals that they have sourced the subject goods from the domestic producer as well by imports from the subject countries. Same product has been sourced from different countries by users and used interchangeably. The channels of imports are also found to be similar. The

Authority has, therefore, found it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and like domestic product. The Authority finds that there is a cumulative effect of injury by imports of subject goods from subject countries on the domestic industry.

23. Overall Assessment and Causal Link

(i) Some of the economic factors/indices of the domestic industry like sales, production, productivity show improvement in the performance of the domestic industry. They have also been able to reduce their losses. The improved performance of the domestic industry on certain parameters is to be seen in the light of existing anti dumping duties.

(ii) The market share of the domestic industry has, however, declined. In addition, the fact that about 9,104 MT of dumped imports of subject goods took place during the POI, which constitute about 13.28% market share in total demand, holds a threat that the imports would intensify if the anti dumping duties are removed.

(iii) The Authority finds that the domestic industry continues to suffer injury on account of price undercutting. The price undercutting has been found to be in the range of -29.62% to +29.63% transaction-wise. While calculating the price undercutting the Authority has compared the landed value of imports with the Net Sales realization of the domestic industry for the same month. However, on a comparison of weighted average net sales realization of the domestic industry for the whole investigation period, the price undercutting is not significant.

(iv) The Authority finds that the domestic industry has suffered due to price depression as a result of dumped imports.

(v) The Authority also finds significant price underselling as a result of dumped imports from subject countries by comparison of the landed value with the Non Injurious Price of the domestic industry. However, in respect of exports of IBA from EU there is no price underselling.

(vi) The losses of the Company for the year 31st March, 2002 were Rs.93.36 million.

(vii) The Authority is of the view that this is a review investigation under Rule 23 and the Article 11.2 of the Anti Dumping Agreement also guides the Authority. The Authority is required to examine whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed. The performance of the domestic industry during the POI is to be seen in the overall context of the existing anti dumping measures on imports from subject countries as well.

(viii) Exporters / Importers have argued that APL does not have jetty for import of raw material to take advantage of international prices. The Authority has examined this aspect and found that M/s APL was in fact making savings in their procurement of basic raw material Propylene from M/s HPCL instead of purchasing from foreign suppliers based on the South East Asia prices for the period of investigation. As regards the arguments that APL has a locational disadvantage and their customers are located at different places, the Authority has found that APL makes its sales on ex-works basis and the comparison of ex-works net sales realization has been made for the purpose of determining the price undercutting. This has not been found to be cause of injury to the domestic industry. As regards the plant size of APL and any consequential economies of scale of production, no verifiable data was brought before the Authority and therefore, this argument of importer/exporter was not substantiated. The Authority finds that as a result of continued imports of dumped subject goods, the domestic industry has suffered injury. This is a Mid-term Review and based on the assessment the Authority finds that dumping continues from several of the subject countries. The Authority is further of the view that domestic industry is suffering from injury and it may not be appropriate to withdraw the existing anti dumping measures as it may lead to continuance and recurrence of dumping and injury. The Authority, therefore, considers it appropriate to continue to impose the anti dumping duty.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

24. Higher Imports of Plasticizers

It has been argued by ICMA and IPMA that substantial imports of cheaper plasticizers are taking place resulting in loss of market to the plasticizer industry. The cost of manufacturing of plasticizer has gone up substantially due to anti dumping duty on Oxo Alcohols and viability of the Indian Plasticizer Industry is under threat and will lead to closure of many units. The value addition margin from Phthalic Anhydride and Oxo Alcohols to plasticizer does not warrant any anti dumping duty. The Authority reiterates that the purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country. The Authority has verified information of some of the Plasticizer manufacturing units. However, there was no evidence to substantiate that their profitability had been eroded.

25. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

I. FINAL FINDINGS

26. After considering the foregoing the Authority concludes that -

- (i) Subject Oxo Alcohols have been exported below their Normal Value from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union. There was no evidence of dumping from Republic of Korea and Indonesia during the POI of this review;
- (ii) The domestic industry continues to suffer material injury on account of dumped imports from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union;
- (iii) The injury has been caused to the domestic industry by the dumped imports from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union; and
- (iv) The Authority considers it appropriate that anti dumping duties may continue to be imposed in respect of imports from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union and withdrawal thereof would lead to continuance and recurrence of dumping and injury.

27. The Authority considers it appropriate to recommend the continuation of anti-dumping duty on imports of subject Oxo Alcohols originating in or exported from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union. The amount of anti-dumping duty shall be equal to the margin of dumping or margin of injury, whichever is lesser and which if levied would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed price of imports has been compared with the non injurious selling price of the domestic industry determined for the period of investigation. The anti dumping duty recommended as per this Review shall be valid for a period of five years from the date of the notification to be issued in this regard by the Central Government.

28. The anti dumping duty shall be on imports of following Acyclic Alcohols (Oxo Alcohols) viz. 2EHA, NBA, IBA and Iso Octanol falling under Customs heading 2905 of first Schedule to the Customs Tariff Act originating in or exported from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union . The anti dumping duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 9 below and the landed value of imports in US\$/MT .

S.No	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	2905	Acyclic Alcohol	2EHA NBA IBA Iso-	Saudi Arabia	Any Country	Any Producer	Any Exporter	756.82	MT	US\$

			Octanol							
2	2905	Acyclic Alcohol	2EHA NBA IBA Iso-Octanol	Any Country	Saudi Arabia	Any Producer	Any Exporter	756.82	MT	US\$
3	2905	Acyclic Alcohol	2EHA IBA Iso-Octanol	Iran	Any Country	Any Producer	Any Exporter	628.42	MT	US\$
4	2905	Acyclic Alcohol	2EHA IBA Iso-Octanol	Any Country	Iran	Any Producer	Any Exporter	628.42	MT	US\$
5	2905	Acyclic Alcohol	NBA	Iran	Any Country	Any Producer	Any Exporter	622.04	MT	US\$
6	2905	Acyclic Alcohol	NBA	Any Country	Iran	Any Producer	Any Exporter	622.04	MT	US\$
7	2905	Acyclic Alcohol	2EHA NBA IBA Iso-Octanol	Poland	Any Country	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
8	2905	Acyclic Alcohol	2EHA NBA IBA Iso-Octanol	Any Country	Poland	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
9	2905	Acyclic Alcohol	NBA	USA	Any Country	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
10	2905	Acyclic Alcohol	NBA	Any Country	USA	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
11	2905	Acyclic Alcohol	2EHA IBA Iso-Octanol	USA	Any Country	Any Producer	Any Exporter	713.38	MT	US\$
12	2905	Acyclic Alcohol	2EHA IBA Iso-Octanol	Any Country	USA	Any Producer	Any Exporter	713.38	MT	US\$
13	2905	Acyclic Alcohol	2EHA NBA Iso-Octanol	EU	Any Country	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
14	2905	Acyclic Alcohol	2EHA NBA Iso-Octanol	Any Country	EU	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
15	2905	Acyclic Alcohol	2EHA IBA Iso-Octanol	Russia	Any Country	Any Producer	Any Exporter	826.47	MT	US\$
16	2905	Acyclic Alcohol	2EHA IBA Iso-Octanol	Any Country	Russia	Any Producer	Any Exporter	826.47	MT	US\$
17	2905	Acyclic Alcohol	NBA	Russia	Any Country	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$
18	2905	Acyclic Alcohol	NBA	Any Country	Russia	Any Producer	Any Exporter	727.35	MT	US\$

29. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

30. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act, *supra*.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority